मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 09 अक्टुबर 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	10/10/15	11/10/15	12/10/15	13/10/15	14/10/15
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	39	38	38	38	37
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	22	22	22	21	21
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	0	0	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	50	52	49	47	55
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	19	17	15	20	21
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	15	12	10	8	7
हवा की दिशा	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

सरसों की बुवाई के लिए पूसा जय किसान, आर.एच.–30, आर.एच–8812, पूसा गोल्ड व पी.आर–15 उन्नत किस्मे हैं। बुवाई के लिए 4 से 5 किलो बीज प्रति हैक्टेयर प्रयोग में लें एंव पंक्ति से पंक्ति की दूरी 45 से 50 सेमी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 सेमी. रखें।

किसान भाई चने की उन्नत किस्में आर.एस.जी–44, सी–235, जी.एन.जी–663 (वरदान) एंव आर.एस.जी–888 (अनुभव) की बुवाई करें।

चने की फसल को जड़ गलन रोग से बचाने के लिए 2 ग्राम कार्बेण्डेजिम से प्रति किलो बीज को उपचारित करें। इसके अलावा बीज को राइजोबियम एंव पी.एस.बी. कल्चर से उपचारित कर बुवाई करें।

प्याज की पूसा रेड, नासिक रेड, उदयपुर–102 व पूसा व्हाइट फ्लेट किस्मों की बुवाई करें तथा एक हैक्टेयर फसल लगाने के लिए 10 किलो बीज प्रयोग में लें।

सौंफ की बुवाई के लिए उन्नत किसमें आर.एफ–125, आर.एफ–143, आर.एफ–101 की बुवाई करें। बुवाई हेतु 8–10 किलो ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर प्रयोग में लें।

बदलते मौसम में पशुओं में गलघोंटू **(H.S.)** व ठप्पा रोग **(B.Q.)** के फैलने की संभावना अत्यधिक रहती है। अतः समय रहते इनके टीके अवश्य लगवाएं।

(नौडल ऑफीसर)